आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 304 | उज्जैन, मंगलवार 23 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है नया मानक-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विश्व के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का मार्गदर्शक बनेगा भारत और मध्यप्रदेश

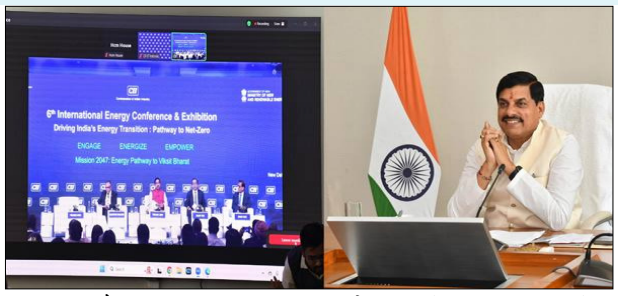

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुझे गर्व है कि मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना के शुभारंभ के साथ ही नवकरणीय ऊर्जा में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर नया मानक स्थापित किया है। यह भारत की पहली परियोजना है, जो रिकार्ड न्यूनतम 2 रूपए 70 पैसे प्रति यूनिट टैरिफ पर स्थिर और डिस्पैचेबल नवकरणीय ऊर्जा प्रदान कर रही है। मध्यप्रदेश में ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों की स्थापित क्षमता तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2025 तक सौर क्षमता लगभग 5 हजार मेगावाट पर पहुंच चुकी है, जिसे वर्ष 2035 बढ़ाकर 33 हजार मेगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार द्वारा इंडस्ट्रियल प्रमोशन पालिसी, रिन्यूएबल एनर्जी पालिसी 2025 और पम्प हाइड्रो पालिसी 2025 के अंतर्गत औद्योगिक निवेश के लिए कई आकर्षक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नई दिल्ली के होटल ताज में आयोजित सीआईआई अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केन्द्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी, मालदीव के पर्यावरण एवं पर्यटन राज्यमंत्री श्री मुविथाथ मोहम्मद, सीआईआई और ई.वाय इंडिया के पदाधिकारी एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगला अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन मध्यप्रदेश में आयोजित करने के लिए सभी को आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम नेट जीरो के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि निर्माण गतिविधियों का केन्द्र भी बन रहा है। यह समय हमारे लिए निर्णायक है, वैश्विक परिस्थितियाँ बदल रही हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है।

जमीन तो क्या, Space में भी पुख्ता होगा सुरक्षा इंतजाम, ISRO बनाएगा बॉडीगार्ड सैटेलाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीन पर सुरक्षा कवच बनाने के बाद अब भारत का ध्यान आसमान पर है। भारत अंतरिक्ष में बॉडीगार्ड सैटेलाइट बनाने की तैयारी कर रहा है, जिसे भेद पाना बेहद मुश्किल होने वाला है। यह बॉडीगार्ड सैटेलाइट अंतरिक्ष में मौजूद भारतीय सैटेलाइटों की सुरक्षा करेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अंतरिक्ष के खतरों से निपटने के लिए बॉडीगार्ड सैटेलाइट बनाना चाहती है। बता दें कि मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मात देने में सैटेलाइट्स ने भी अहम रोल निभाया था।

सैटेलाइट की सुरक्षा की क्यों पड़ी जरूरत- अब सवाल यह है कि सरकार को अचानक सैटेलाइट की सुरक्षा का ख्याल कैसे आ गया? दरअसल हाल ही में एक पड़ोसी देश की सैटेलाइट भारतीय सैटेलाइट के बेहद करीब आ गई थी, जिससे सैटेलाइट को नुकसान पहुंच सकता था। कुछ देर बाद बेशक यह खतरा टल गया, लेकिन भविष्य में दोबारा यह घटना न घटे, इसलिए सरकार पहले से सैटेलाइट्स की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहती है।

हिंदी चैनलों को उर्दू के उपयोग पर मंत्रालय से कोई नोटिस नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने मीडिया में आई उन खबरों को रविवार को 'भ्रामक' करार दिया है, जिनमें कहा गया है कि हिंदी समाचार चैनलों को प्रसारण में उर्दू शब्दों के अत्यधिक प्रयोग के लिए नोटिस भेजे गए हैं।

पीआइबी फैक्ट चेक यूनिट ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआइबी) ने केबल टेलीविजन नेटवर्क विनियमन कानून के तहत एक दर्शक की शिकायत को संबंधित चैनलों को भेज दिया है।

अधिकारी ने दिया स्पष्टीकरण- अधिकारी ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा, यह मंत्रालय का कोई निर्देश नहीं है, बल्कि संबंधित चैनलों के खिलाफ प्राप्त शिकायत को आगे बढ़ाया गया है। प्रेस सूचना कार्यालय (पीआइबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने हालांकि अपने पोस्ट में बताया है कि संबंधित चैनलों को निर्देश दिया गया है कि वे शिकायतकर्ता को इस संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी दें और नियमानुसार मंत्रालय को भी उससे अवगत कराएं।

पश्चिम बंगाल में मानव तस्करी का भंडाफोड़, NIA ने बांग्लादेशी लड़की को रेस्क्यू किया; 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल की 5 जगहों पर छापेमारी की है। इस दौरान पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत पर लिया है। उनपर नाबालिग बांग्लादेशी लड़की की तस्करी करने का आरोप है।

दोनों आरोपियों की पहचान आमिर अली शेख और अमल कृष्ण मंडल के रूप में हुई है, जिन्हें पुलिस ने पश्चिम बंगाल की 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया है।

NIA ने मामले की जानकारी देते हुए बयान जारी किया है। NIA के अनुसार, नाबालिग बांग्लादेशी लड़की की भारत में अवैध तस्करी की गई थी। आरोपियों ने उसे नौकरी का झांसा देकर शोषण के लिए मजबूर किया था।

NIA ने अपने बयान में कहा- बांग्लादेशी लड़कियों को सीमा पार करवाकर भारत भेजा जाता है। हाल की गिरफ्तारी और जब्ती के बाद NIA मानव तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाएगी।

NIA ने शनिवार को कोलकाता और बनगांव समेत 5 जगहों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पुलिस को भारी मात्रा में भारतीय और बांग्लादेशी समेत अन्य देशों की मुद्राएं बरामद की हैं। इसके अलावा पुलिस को कई दस्तावेज भी मिले हैं।

एक दिन PoK कहेगा..., पाकिस्तान को राजनाथ सिंह ने दिया रियलिटी चेक

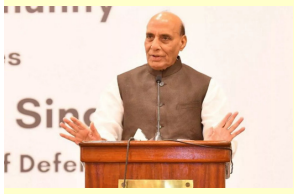

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ ने सोमवार को कहा कि भारत बिना किसी आक्रामक कदम के पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर नियंत्रण वापस पा लेगा। रक्षा मंत्री ने दावा किया कि पीओके में लोग वर्तमान सरकार से आजादी की मांग कर रहे हैं। दरअसल, मोरक्को में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि पीओके अपने आप ही हमारा होगा। रक्षा मंत्री के इस बयान से पाकिस्तान को नीद नहीं आएगी। रक्षा मंत्री ने दावा किया कि पीओके में आजादी की मांगे उठनी लगी हैं। आपने भी नारेबाजी सुनी है। वहीं, इस कार्यक्रम में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने ट्रंप के टैरिफ पर भी बात की है और बताया कि ट्ररिफ के मुद्दे पर भारत ने तुरंत जवाब क्यों नहीं दिया।

रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि आज से पांच साल पहले जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भी इस बात को दोहराया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि पांच साल पहले मैं कश्मीर के घाटी में एक कार्यक्रम में भारतीय सेना को संबोधित कर रहा था। उस वक्त मैंने कहा था कि पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं है। यह वैसे भी हमारा है। PoK खुद कहेगा मैं भी भारत हूं। वह दिन भी आएगा।

गौरतलब है कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की ये टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके पर कब्ज़ा करने का मौका गंवा दिया। रक्षा मंत्री का ये बयान कई मायनों में खास है।

नारायणपुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

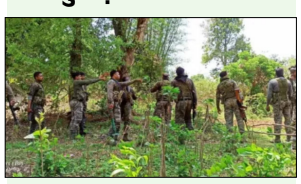

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सोमवार को सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबल और माओवादियों के बीच हुई इस मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया। दरअसल, अबूझमाड़ के महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमावर्ती क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाए गए सर्च अभियान के दौरान यह मुठभेड़ शुरू हुई। अभी तक की जानकारी के अनुसार, गोलीबारी अभी भी रुक-रुक कर जारी है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई में सुरक्षा बल ने एक पुरुष माओवादी का शव और उसके पास से हथियार बरामद किया है।

पंजाब के लोगों के साथ अन्याय..., बाढ़ का वीडियो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने PM मोदी से की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में आई बाढ़ ने पूरे राज्य में त्राहिमाम मचा दिया था। नदियां पूरे उफान पर थीं, सड़कें तालाब बन गईं और बाढ़ के बहाव में कई लोगों के सिर पर से छत भी छिन गई। पंजाब में बारिश ने भयंकर तबाही मचाई, जिसका मंजर पूरे देश ने देखा। हालांकि, अब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पंजाब की बाढ़ पर सवाल खड़े किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का एलान किया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का कहना है कि यह पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है।

राहुल गांधी ने क्या कहा- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, पंजाब को बाढ़ की वजह से लगभग 20,000 करोड़ का नुकसान हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1600 करोड़ का प्रारंभिक राहत पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है।

राहुल गांधी ने आगे कहा- लाखों घर उजड़ गए, 4 लाख एकड़ से ज्यादा की फसल बर्बाद हो गई और बड़ी संख्या में जानवर बह गए हैं। फिर भी पंजाब के लोगों ने अद्भुत हिम्मत और जज्बा दिखाया है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे एक बार फिर पंजाब को खड़ा करेंगे - उन्हें बस सहारे और मजबूती की जरूरत है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से एक और राहत पैकेज जारी करने की अपील की है। राहुल गांधी ने कहा, मैं पीएम मोदी से फिर से आग्रह करता हूं कि तुरंत एक व्यापक राहत पैकेज जारी किया जाए।

पंजाब बाढ़ का वीडियो शेयर किया- राहुल गांधी ने अपनी इस पोस्ट में पंजाब का वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें डराने वाला मंजर देखा जा सकता है। हजारों किसानों की फसलें तबाह हो गई हैं, कई लोगों के घर उजड़ गए। इस वीडियो में राहुल गांधी के पंजाब दौरे की भी झलक देखी जा सकती है।

पाकिस्तानी वायुसेना ने अपने ही नागरिकों पर गिराए 8 बम, एयरस्ट्राइक में 30 की मौत और कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। पाकिस्तान की वायु सेना ने अपने ही देश के नागरिकों पर बमों की बारिश की है। बताया जा रहा है कि ये कारमाना पाकिस्तानी वायुसेना ने तड़के करीब 2 बजे किया।

पाकिस्तानी वायु सेना की इस एअर स्ट्राइक में कम से कम 30 लोगों जान गई है। मरने वाले सभी पाकिस्तानी नागरिक थे। वहीं, इस बमबारी में कई लोगों के घायल होने की खबर है।

रात दो बजे पाकिस्तानी वायुसेना की एअर स्ट्राइक- पाकिस्तान के लोकल न्यूज रिपोर्ट्स के हवाले से एनडीटीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि रविवार देर रात पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने तिराह घाटी स्थित मत्रे दारा गांव पर आठ एलएस-6 बम गिराए, जिससे भारी तबाही मच गई।

इस घटना का के बाद की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें बच्चों समेत कई शव पड़े दिखाई दे रहे हैं। बचाव दल मलबे में दबे शवों को निकालने में लगे हुए हैं। दावा किया जा रहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हालांकि, पाकिस्तान के अधिकारी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती- इस बमबारी में काफी लोगों के घायल होने की भी खबर है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। वहीं, अन्य लोगों को मलबे से निकालने की कोशिश जारी है। घटना से स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान इस समय अंदरुनी हालात और कलह से गुजर रहा है। बता दें कि पाकिस्तान का खैबर पख्तुनख्वा क्षेत्र पिछले काफी समय से अशांत रहा है। यही वजह है कि यहां पर पाकिस्तान की सरकार नहीं चल पाती है।

पाकिस्तान का अशांत क्षेत्र है खैबर पख्तूनख्वा- पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पहले भी कई आतंकवादी विरोधी अभियान देखने को मिले हैं। इस क्षेत्र में पहले भी पाकिस्तानी नागरिकों की मौत की खबरें सामने आई हैं। खैबर पख्तूनख्वा की पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस साल जनवरी से अगस्त के महीने तक कुल 605 आतंकवादी घटनाएं इस क्षेत्र में दर्ज की गई हैं। वहीं, अकेले अगस्त के महीने में 129 घटनाएं दर्ज हुई हैं।

बस मुझे अमेरिका से लौटने दो..., ब्रिटेन, कनाडा समेत 4 देशों ने किया कुछ ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन, कनाडा, पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को फलस्तीन को राष्ट्र का दर्जा दे दिया। चारों देशों के इस फैसले पर इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने नाराजगी जताई है। चारों देशों के इस फैसले को नेतन्याहू ने आतंकवाद को मान्यता देकर पुरस्कृत करने का प्रयास करार दिया है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि ऐसा नहीं होने वाला है और जॉर्डन नदी के पश्चिम में कोई फलस्तीनी राज्य नहीं होगा। नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका से लौटने के बाद इस फैसले पर इजरायल अपना जवाब देगा।

नेतन्याहू ने और क्या-क्या कहा- इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि पिछले कई सालों से मैंने घरेलू और विदेशी दबाव के बावजूद उस आतंकवादी राज्य के निर्माण को रोका है। नेतन्याहू ने कहा कि हमने यह दृढ़ संकल्प और चतुराईपूर्ण कूटनीति के साथ किया है। हमने यहूदिया और सामरिया में यहूदियों की संख्या दोगुनी कर दी है, और हम इस रास्ते पर चलते रहेंगे।

चूंकि इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की ये टिप्पणी इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि ये चारों देश देश पारंपरिक रूप से इज़राइल के सहयोगी रहे हैं। इन चारों देशों ने अब फलस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में दर्जा दे दिया है। हालांकि, माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस मुद्दे पर एक विस्तृत बहस हो सकती है।

ब्रिटिश पीएम ने क्या कहा- गौरतलब है कि ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल ने 21 सितंबर को फलस्तीन को औपचारिक रूप से एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में मान्यता दी। इस फैसले पर ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में एक कदम है जो हमास को कोई फायदा नहीं पहुंचाता है। वहीं, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी का कहना है कि यह शांतिपूर्ण सह अस्तित्व और हमास के अंत की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। उधर, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने कहा कि यह दो राष्ट्रों के बीच समाधान को गति देने के लिए आवश्यक है।

मेरे पति हमेशा..., चार्ली कर्क हत्याकांड मामले में नया ट्विस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी चार्ली कर्क की हत्या ने पिछले दिनों अमेरिका को हिला कर रख दिया था। गत रविवार को उनकी पत्नी एरिका कर्क ने एक ऐसा बयान दिया जिसने सभी को चौंका दिया।

चार्ली कर्क की विधवा पत्नी एरिका कर्क ने अपने दिवंगत पति की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में एक अत्यंत धार्मिक भाषण देते हुए कहा कि वह अपने पति की हत्या के आरोपी व्यक्ति को माफ करती हैं।

चार्ली कर्क की पत्नी ने पति के हत्यारे को माफ किया- अमेरिका के एरिजोना राज्य में चार्ली कर्क की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में एरिका कर्क ने कहा कि मेरे पति चार्ली, ठीक उसी तरह के नौजवानों को बचाना चाहते थे जैसे उस व्यक्ति ने उनकी जान ली थी। इस कार्यक्रम में 60,000 से अधिक लोग मौजूद थे। इस कार्यक्रम में खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी भी रही।

भावुक होते हुए एरिका कर्क ने कहा कि वह आदमी, वह युवक। मैं उसे माफ करती हूं। आगे उन्होंने कहा कि मैं उसे माफ करती हूं क्योंकि ईसा मसीह ने यही किया था और चार्ली भी यही करता। उन्होंने कहा कि नफरत का जवाब नफरत नहीं है।

कितने देशों ने फलस्तीन को दिया देश का दर्जा? अमेरिका शामिल या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल गाजा में हमास को पूरी तरीके से साफ करने में लगा है। गाजा में लगभग दो साल के युद्ध के बाद रविवार को ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और पुर्तगाल ने फलस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी। हालांकि, इजरायल ने इस फैसले का विरोध किया है।

केवल इन राष्ट्रों ने ही नहीं, फ्रांस, बेल्जियम और अन्य देश भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसी तरह की मान्यता देने के लिए तैयार हैं। आइए आपको इस आर्टिकल में बताते हैं कि कौन से वे देश हैं जो, फलस्तीन को राष्ट्र का दर्जा देते हैं और अभी तक कितने देशों ने नहीं दिया है।

कौन से देश फलस्तीन को दे चुके हैं राष्ट्र का दर्जा- अभी तक संयुक्त राष्ट्र के तीन चौथाई देशों ने फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में सदस्यता दे दी है। एएफपी के आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से कम से कम 145 देशों ने अभी तक फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी है। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि ब्रिटेन और कनाडा ऐसा करने वाले पहले जी-7 देश हैं।

तुम्हें मिस किया, चार्ली कर्क की श्रद्धांजलि सभा में मिले ट्रंप-मस्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के मालिक एलन मस्क लंबे समय के बाद एक ही मंच पर नजर आए। मौका था कंजरवेटिव एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की मेमोरियल सर्विस का, जो एरिजोना के ग्लेनडेल स्थित स्टेट फार्म एरेना में हुई।

यह उनकी पहली सार्वजनिक मुलाकात थी, जब जोनों की पिछले साल बड़ी अनबन हो गई थी। कार्यक्रम में मौजूद लिप-रीडर ने दावा किया कि दोनों के बीच छोटी-सी बातचीत हुई।

ट्रंप ने मस्क को क्या कहा- रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप ने मस्क से कहा, कैसे हो? सुना है तुम मुझसे बात करना चाहते थे। चलो देखते हैं कि दोबारा साथ कैसे काम कर सकते हैं। इस पर मस्क ने सिर हिलाकर हामी भरी। ट्रंप ने मस्क का हाथ थपथपाते हुए कहा, मैंने तुम्हें मिस किया। व्हाइट हाउस के आधिकारिक अकाउंट ने दोनों की इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। वहीं, मस्क ने भी ट्रंप के साथ अपनी एक फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, For Charlie।

कब हुई थी कर्क की हत्या- कार्यक्रम में हजारों लोग मौजूद थे, जो 10 सितंबर को गोलिबारी में मारे गए चार्की कर्क को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। घटना यूटाह वैली यूनिवर्सिटी कैंपस में हुई थी।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू का करीबी कनाडा में गिरफ्तार, पुलिस के हत्थे चढ़ा इंद्रजीत सिंह गोसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के करीबी इंद्रजीत सिंह गोसाल को कनाडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कनाडा में रहने वाला इंद्रजीत अमेरिका के खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस में अहम रोल निभाता है। खासकर जून 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की मौत के बाद स्वच्छ का पूरा दारोमदार इंद्रजीत के ही कंधो पर था।

इंद्रजीत को पहले भी कनाडा के ओटावा में कई बार हिरासत में लिया जा चुका है। इंद्रजीत पर कई बार बोलने के अधिकार का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगा है।

हिंदू मंदिर पर हमला करने का आरोप- पिछले साल नवंबर में कनाडा पुलिस ने ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में हिंदू मंदिर तोड़ने के आरोप में 36 वर्षीय इंद्रजीत को पकड़ा था। इस दौरान इंद्रजीत ने मंदिर में पूजा करने पहुंचे हिंदुओं को भी निशाना बनाया था। हालांकि, बाद में इंद्रजीत को जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

पुलिस ने किया गिरफ्तार- पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इंद्रजीत कनाडा में खालिस्तानी जनमत संग्रह की जमीन तैयार करने में अहम रोल निभा रहा था। इंद्रजीत को पन्नू का राइट हैंड माना जाता है। बता दें कि स्वच्छ को भारत में बैन किया जा चुका है।

चीन ने निकाला H-1B वीजा का तोड़, आ गया नया 'K Visa'; क्या है ड्रैगन का प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा H-1B वीजा पर भारी भरकम फीस लगाने के बाद पूरी दुनिया में अफरा-तफरी का माहौल है। ट्रंप के फैसले से खासकर भारत को तगड़ा झटका लगा है। मगर, जहां एक तरफ अमेरिका विदेशी कर्मचारियों के लिए अपने दरवाजे बंद कर रहा है, तो दूसरी तरफ चीन ने ग्लोबल टैलेंट्स के लिए दरवाजे खोलने का फैसला कर लिया है।

ट्रंप के H-1B वीजा का तोड़ निकालते हुए चीन ने अपनी वीजा कैटेगरी में 'K Visa' को शामिल करने का फैसला किया है। इस वीजा के जरिए चीन दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी से जुड़े प्रोफेशनल्स को बुलाने की तैयारी में है।

चीनी न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 'K Visa' से जुड़े नए नियम आगामी 1 अक्टूबर से लागू हो जाएंगे। बता दें कि चीन में पहले से 12 तरह के वीजा मिलते हैं। वहीं, अब इस लिस्ट में 'K Visa' का नाम भी शामिल होने वाला है।

चीन के 12 अन्य वीजा की तुलना में च वीजा बिल्कुल अलग होगा। च वीजा के जरिए चीन में एंट्री लेने वाले लोग शिक्षा, कल्चर, विज्ञान और तकनीकी के अलावा बिजनेस जैसे क्षेत्रों में हिस्सा ले सकेंगे।

SC से जैकलीन को बड़ा झटका, सुकेश चंद्रशेखर केस में याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने 200 करोड़ रुपये की ठगी मामले में दायर उनकी याचिका को खारिज कर दिया। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है।

दरअसल, जैकलीन ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कोर्ट ने उनकी FIR रद करने की मांग ठुकरा दी थी। 3 जुलाई को हाईकोर्ट ने साफ कहा था कि आरोपों पर फैसला केवल ट्रायल के दौरान ही हो सकता है। जैकलीन का कहना था कि वह खुद सुकेश की साजिश का शिकार बनी हैं और उन्हें गलत तरीके से केस में घसीटा जा रहा है।

क्या है जैकलीन का पक्ष- जैकलीन ने अपनी याचिका में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के सबूत ही दिखाते हैं कि वह सुकेश के निशाने पर थीं। उनका यह भी आरोप था कि तिहाड़ जेल अधिकारियों ने ही सुकेश को मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण इस्तेमाल करने की सुविधा दी, जिससे उसने लोगों को ठगा। उनका कहना था कि वह को केस की प्रॉसिक्यूशन गवाह हैं, इसलिए उनके खिलाफ आगे की कार्यवागी रद की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी दोहराया कि उन्हें सुकेश के आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। दिल्ली हाई कोर्ट ने हालांकि कहा था कि यह तय करना कि जैकलीन की नीयत क्या थी और उन्हें सुकेश के बारे में जानकारी थी या नहीं, यह सब ट्रायल कोर्ट में ही साबित होगा।

जैकलीन पर ED का आरोप- ED ने जैकलीन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सुकेश से करीब 7 करोड़ रुपये के लग्जरी गिफ्ट लिए। इनमें महंगी कारें, ज्वेलरी और डिजाइनर कपड़े शामिल बताए गए।

AAIB रिपोर्ट में पायलटों को दोष देना गैर-जिम्मेदाराना, एअर इंडिया प्लेन क्रैश को लेकर SC ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में यात्रियों से भरा एअर इंडिया का प्लेन अचानक क्रैश हो गया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई, लेकिन प्लेन क्रैश की असली वजह अभी तक सामने नहीं आ सकी है। इसपर जांच अभी जारी है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में प्लेन क्रैश की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मामले पर सुनवाई की। सर्वोच्च न्यायालय ने AAIB की प्राथमिक जांच को गैरजिम्मेदाराना करार दिया है। इस रिपोर्ट में प्लेन क्रैश की वजह साफ न करते हुए पायलट की चूक का अंदेशा जताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए नाराजगी जाहिर की है।

लाइव लॉ के अनुसार, सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए दावा किया है कि एयर इंडिया प्लेन क्रैश की जांच में मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

बीच फ्लाइट में यात्री ने खोल दिया कॉकपिट का दरवाजा, मच गई अफरा-तफरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु से वाराणसी जा रही एक फ्लाइट में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक यात्री ने कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। यह एअर इंजिया एक्सप्रेस की फ्लाइट थी। यात्री के दरवाजा खोलते ही क्रू अलर्ट हो गया। इसके बाद आरोपी यात्री मणि और 8 यात्रियों को हिरासत में ले लिया गया।

यात्री ने कहा कि उसने इसे गलती से टॉयलेट का दरवाा समझ लिया। उसने कहा कि वह पहली बार फ्लाइट में सफर कर रहा है और जब उसने कॉकपिट के दरवाजे का सिक्योरिटी कोड दबाया, तब उसे समझ आया कि यह दरवाजा टॉयलेट का नहीं बल्कि कॉकपिट का है।

टॉयलेट जाना चाहता था यात्री- दरअसल एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या IX-1086 बेंगलुरु से वाराणसी जा रही थी। तभी इसमें बैठा मणि नाम का यात्री टॉयलेट जाने के लिए खड़ा हुआ। जब वह पैसेंजर रो को पार कर टॉयलेट के पास पहुंचा, तो उसने कॉकपिट के दरवाजे को टॉयलेट का दरवाजा समझ लिया और फिर उसमें लगे सिक्योरिटी पासकोड बटन को दबा दिया।

बटन दबते ही क्रू अलर्ट हो गया। वहां अफरा-तफरी जैसी स्थिति हो गई। यात्री को भी समझ आ गया कि उससे गलती हो गई है। पूछताछ के लिए मणि और उसके साथ के आठ यात्रियों को हिरासत में ले लिया गया।

शराब पीने को करते मजबूर, Bar का बिल भी भरवाया... रैगिंग से परेशान छात्र ने की आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष के छात्र ने अपने कॉलेज के हॉस्टल में कथित तौर पर रैगिंग और उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

आत्महत्या से पहले छात्र ने एक वीडियो भी साझा किया। जिसमें छात्र ने डर जाहिर करते हुए बताया कि उसे पीटा जा रहा था और पैसे देने के लिए मजबूर किया जा रहा था। इस वीडियो में लड़के ने अपनी जान की भीख भी मांगी है। पुलिस रैगिंग और आत्महत्या के मामले की जांच में जुट गई है।

क्या है पूरा मामला- एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पूरा मामला हैदराबाद के सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज का है। जहां पर दूसरे साल में पढ़ाई करने वाले 22 साल के छात्र जादव साई तेजा का शव उसके हॉस्टल के कमरे में लटका हुआ मिला। साई तेजा कथित तौर पर रैगिंग का शिकार था। माना जा रहा है इससे परेशान होकर ही उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

रैगिंग से परेशान होकर दे दी अपनी जान- साईं तेजा को कथित तौर पर एक बार में ले जाया गया। वहां पर पहले से मौजूद कॉलेज के सीनियर्स ने उसे शराब पीने और करी 10000 रुपये का बिल चुकाने के लिए मजबूर किया। एडवोकेट किशोर का आरोप है कि तनाव और दबाव को झेलने में असर्मथ, साईं तेजा ने फांसी लगाकर जान दे दी है।

वीडियो में साईं तेजा ने क्या कहा- आत्महत्या से पहले साईं तेजा ने एक वीडियो भी बनाया। इस वीडियो में तेजा ने कहा कि मैं कॉलेज जा रहा था। चार-पांच लोग आए और मुझे धमकाया। वे आकर मुझ से पैसे की मांग कर रहे थे।

वीडियो में तेजा ने बताया कि वे मुझे भी मार रहे और मुझे काफी डर लग रहा है। वे मेरे पास आ रहे हैं पैसे मांग रहे हैं और मुझे मार रहे हैं। मुझे क्या करना चाहिए। मैं मर जाउंगा मुझे बचा लीजिए।

घटना की जानकारी होते ही तेजा के परिवार के लोगों को गहरा सदमा लगा है। करीब 300 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद साईं तेजा का परिवार और वकील किशोर उसके हॉस्टल पहुंचे हैं।

त्रिपुरसुंदरी मंदिर परिसर के विस्तार से सांस्कृतिक समृद्धता को मिलेगी नई पहचान, सांस्कृतिक रूप से भी जुड़ रहा है पूर्वोत्तर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 51 शक्तिपीठों में पूर्वोत्तर भारत का माता त्रिपुरसुंदरी मंदिर एक प्रमुख शक्तिपीठ है। माता त्रिपुरसुंदरी को दस महाविद्याओं की अग्रणी देवी भी माना जाता है। आस्था और श्रद्धा का यह पुण्यस्थल और तीर्थाटन की विशाल संभावनाओं वाला धार्मिक पर्यटन केंद्र अब नये रूप में बन कर तैयार हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रसाद परियोजना के अंतर्गत 2021 में मंदिर परिसर आधुनिकीकरण तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए व मुख्य मंदिर और गर्भगृह को यथावत रखते हुए मंदिर को भव्यता प्रदान करने का कार्य शुरू हुआ।

माता त्रिपुरसुंदरी के नाम पर ही इस स्थान का नाम त्रिपुरा पड़ा। इसीलिए माता त्रिपुरसुंदरी त्रिपुरा की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान भी हैं। ये मंदिर पूरे देश के हिंदू धर्मावलंबियों के लिए ही नहीं, बल्कि त्रिपुरा समेत पूर्वोत्तर के जनजातीय समाज व बांग्लाभाषी लोगों की आस्था व एकता का केंद्र हैं।

भारतवर्ष में विभिन्न जातीय-धार्मिक व भाषाई समूह हैं। अलग-अलग विचारधाराओं व पूजा पद्धतियों को मानने वाले लोग रहते हैं। परंतु एक चुने हुए जनप्रतिनिधि के लिए आवश्यक है कि वो जनता की इच्छा-भावनाओं को प्राथमिकता दे। उनकी श्रद्धा-आस्था का सम्मान करें।

परंतु मेरी स्मृति के अनुसार मुझे कभी याद नहीं आता कि कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के दौरान उनके किसी भी मुख्यमंत्री ने कभी माता त्रिपुरासुंदरी के मंदिर में जाकर दर्शन किए हों? जो जनप्रतिनिधि जनता की श्रद्धा, आस्था और त्रिपुरा की पहचान के प्रति सम्मान प्रदर्शित नहीं कर सके, उनकी सोच भी स्वभावतः जन विरोधी ही रही।

जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं माता के मंदिर में पूजा करने और व उनके नवरूप का उद्घाटन करने आए। त्रिपुरासुंदरी का मंदिर एक ओर शांति, स्थिरता और जाति-जनजाति के मेल-मिलाप का संदेश देता है, तो दूसरी ओर तीर्थाटन के जरिए धार्मिक पर्यटन की संभावनाएँ आर्थिक विकास का मार्ग भी खोलती हैं, किंतु कम्युनिस्टों ने इस ओर कभी ध्यान नहीं दिया।

उमर खालिद समेत अन्य की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, SC ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्ष न्यायालय ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों की कथित साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और मीरान हैदर की याचिकाओं पर आज सुनवाई की।

दरअसल, इन इन सभी के द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को की जाएगी।

क्या है पूरा मामला- बता दें कि दिल्ली दंगे की साजिश में शामिल आरोपियों ने 2 सितंबर के दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें खालिद और इमाम सहित नौ लोगों को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। बता दें कि हाईकोर्ट ने कहा कि नागरिकों द्वारा प्रदर्शनों या विरोध प्रदर्शनों की आड़ में षड्यंत्रकारी हिंसा की अनुमति नहीं दी जा सकती।

उच्च न्यायालय द्वारा खालिद और इमाम के अलावा फातिमा, हैदर, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी और शादाब अहमद भी शामिल रहे, जिनकी याचिका खारिज की गई।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने क्या कहा था- दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान नागरिकों को विरोध प्रदर्शन या आंदोलन करने का अधिकार देता है, बशर्ते वे व्यवस्थित, शांतिपूर्ण और बिना हथियारों के हों, और ऐसी कार्रवाई कानून के दायरे में होनी चाहिए।

वहीं, उच्च न्यायालय ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने और सार्वजनिक सभाओं में भाषण देने का अधिकार अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत संरक्षित है और इसे स्पष्ट रूप से सीमित नहीं किया जा सकता, उसने यह भी कहा कि यह अधिकार पूर्ण नहीं है और उचित प्रतिबंधों के अधीन है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

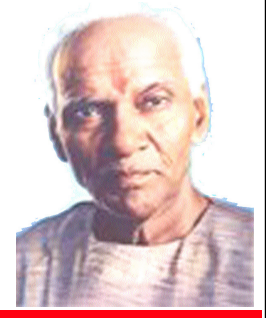

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

संपादकीय

सिर्फ एक तिथि अथवा धार्मिक अनुष्ठान नहीं है;यह उनअनगिनत रिश्तों, यादों और ऋण- भावनाओं का संगम है

सिर्फ एक तिथि अथवा धार्मिक अनुष्ठान नहीं है;यह उनअनगिनत रिश्तों, यादों और ऋण- भावनाओं का संगम है जो हम अपने पूर्वजो,माता,पिता,दादा- दादी, नाना-नानी और अन्य पूर्व पीढ़ियों के साथ बाँधे रखते हैं। इस दिन भारत सहित संसार भर के मूल भारतीय और अन्तरराष्ट्रीय मूल के भारतीय (प्रवासी, प्रवासोत्तर पीढ़ियाँ) मिलकर अपने पितरों को भावपूर्ण, अश्रु-युता श्रद्धांजलि देते हैं। यह लेख उसी भाव, रीति- रिवाज़, मान्यताओं और आधुनिक-आध्यात्मिक अर्थों का विस्तृत, शोधप्रधान और सहृदय विवेचन है, जो पारंपरिक भारतीय समाज और विदेशी- पृष्ठभूमि के भारतीय निवासियों द्वारा मनाया जाता है वह चाहे किसी भी देश में हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,अमावस्या के दिन परिवार मिलकर शोक और स्मृति को साझा करते हैं, यह एक निजी और सार्वजनिक दोनों तरह का अनुभव है। भारत में पारंपरिक रूप से यह दिन न केवल घरों में बल्कि नदी, तालाब के किनारे, तीर्थों पर भी मनाया जाता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि मैंनें 21 सितंबर 2025 की यह अमावस्या की मैंने भारत में ग्राउंड रिपोर्टिंग की तथा सोशल मीडिया के माध्यम से देखा,तो यह स्पष्ट था कि वैश्विक भारतीय समुदाय,लंदन, न्यूयॉर्क, दुबई, सिंगापुर, सिडनी और कनाडा के टोरन्टो तक, अपने-अपने रूपों में अपने पितरों को अंतिम विदाई दे रहे थे। अंतरराष्ट्रीय मूल भारतीयों का भाव एक विशेष साम्य रखता है- दूरस्थता के कारण व्यक्तिगत स्मृतियाँ और पारिवारिक वस्तुएँ, फोटो व कहानियाँ और स्थानीय जगहों पर आयोजित छोटे-छोटे समारोह पितृस्मृति को जीवंत रखते हैं।अमावस्या पर उमड़ती संवेदना, सहानुभूति और साझा स्मरण,ये भाव न केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित हैं; वे परिवारिक पुनर्संयोजन, लोकसंगीत,स्मृति-कथाएँ और भोजन के माध्यम से पीढ़ियों के बीच सेतु बनाते हैं।

साथियों बात अगर हम मेरी स्वयं की निगरानी- ग्राउंड रिपोर्टिंग की करें तो मुझे अश्रु-पूर्ण विदाई का सामाजिक अनुभव हुआ। मैंने 21 सितंबर 2025 कीअमावस्या पर संध्या 7 बजे तक मित्रों के यहाँ जाकर जो दृश्य देखा, सबका अश्रु-पूर्ण विदाई देना,वह भारत की विविधता का सूक्ष्म उद्घाटन था। छोटे-छोटे घर, अपार्टमेंट के लिविंग रूम, महानगर के कॉमन-हॉल और गाँवों के आंगन,हर जगह एक समानता थी-चिर परिचित गहन भाव,अगस्त- सी नमी आँखों में और शब्दों से परे गूँथी हुई स्मृति।

कुछ स्थानों पर वृद्धाएँ अपने पुराने सरज़मीन के हावभाव, पुरानी कहानियाँ और दिये हुए संस्कार याद कर रही थीं; युवा पीढ़ी मोबाइल पर दादी-दादाजी की पुरानी आवाज़ सुनाकर परिवार को जोड़ रहे थे।अमावस्या के दिन का यह दृश्य केवल धार्मिक क्रिया न होकर, सामुदायिक सहानुभूति, सांस्कृतिक साझा स्मृति और सामाजिक समर्थन का प्रतीक बनकर उभरा। यह भावुकता न केवल व्यक्तिगत शोक की अभिव्यक्ति थी बल्कि एक सामूहिक अंतिम-आदर का रूप लेकर राज्य-स्तर, नगर-स्तर और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के जरिए फैला हुआ दिखा।

साथियों बात अगर हम मेरी निजी अनुभूति, मेरे परिवार का अमावस्या 21 सितंबर शाम 6 बजे की अनुभूति की करें तो मेरे दादाजी-दादी जी, पिताजी-मम्मी और छोटी बहन हमारे परिवार के 'पितृ' थे और मेरे उन पन्द्रह दिनों में उनकी उपस्थिति अपने चारों ओर महसूस की थीं।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

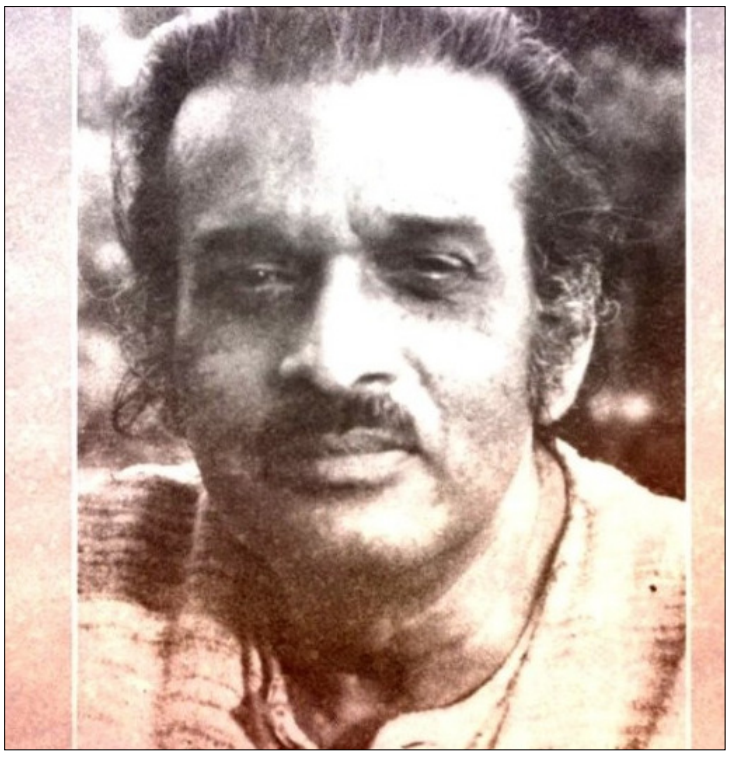

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार थे। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना तीसरे सप्तक के महत्वपूर्ण कवियों में से एक थे। कविता के अतिरिक्त उन्होंने कहानी, नाटक और बाल साहित्य भी रचा। उनकी रचनाओं का अनेक भाषाओं में अनुवाद भी हुआ। आकाशवाणी में सहायक निर्माता; दिनमान के उपसंपादक तथा पराग के संपादक रहे। यद्यपि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का साहित्यिक जीवन काव्य से प्रारंभ हुआ तथापि 'चरचे और चरखे' स्तम्भ में दिनमान में छपे आपके लेख विशेष लोकप्रिय रहे। सन 1983 में कविता संग्रह 'खूँटियों पर टंगे लोग' के लिए सर्वेश्वर दयाल सक्सेना को साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया।

जीवन परिचय- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का जन्म 15 सितंबर, 1927 को विश्वेश्वर दयाल के घर हुआ। फलतः सर्वेश्वर जी की आरंभिक शिक्षा-दीक्षा भी ज़िला बस्ती, उत्तर प्रदेश में ही हुई। बचपन से ही वे विद्रोही प्रकृति के थे। उनकी रचना तथा पत्रकारिता में उनका लेखन इसकी बानगी पेश करता है। इसी कारण जब वे बस्ती के राजकीय हाईस्कूल में नवीं कक्षा में पढ़ रहे थे, राजनीतिक चुहलबाजी के कारण उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया। फिर सर्वेश्वर को एंग्लो संस्कृत हाईस्कूल, बस्ती के प्रधानाचार्य श्री चक्रवर्ची ने शरण दी। इसी विद्यालय से सर्वेश्वर जी ने 1941 में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस सबके बीच बस्ती का ग्राम्य परिवेश, आंचलिकता, शहर के किनारे बहने वाली कुआनो नदी, भुजैनिया का पोखरा आदि प्रतीक सर्वेश्वर के भोले मन को प्रभावित करते रहे। माटी की यह महक तथा जीवन के संत्रासों को वे ताज़िन्दगी नहीं भूले। शिक्षा के साथ नौकरी

सर्वेश्वर जी के पिता विश्वेश्वर दयाल जी ने बड़ी मेहनत से मालवीय रोड स्थित अनाथालय के पास एक छोटा सा घर बनवा लिया। इसी नए घर में सर्वेश्वर के छोटे भाई एवं छोटी बहन का जन्म हुआ। इस दौरान सर्वेश्वर जी की माँ का तबादला बस्ती से बांसगांव, गोरखपुर और फिर वाराणसी हो गया। सर्वेश्वर भी अध्ययन के लिए अपनी माँ के साथ वाराणसी चले गए। 1943 में उन्होंने वाराणसी के क्वींस कॉलेज से इन्टरमीडियट की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन 1944-45 में आर्थिक विपन्नता और बहन की शादी हेतु पैसा एकत्र करने हेतु सर्वेश्वर ने पढ़ाई छोड़ दी। वास्तव में सर्वेश्वर जी के परिवार की आर्थिक दशा कभी अच्छी न रही।

सर्वेश्वर ने बस्ती के खैर इण्डस्ट्रियल इण्टर कॉलेज में नौकरी भी की। यहाँ उन्हें 60 रुपए प्रतिमाह वेतन प्राप्त हो रहा था। वे इसके बाद ज्यादा दिनों तक बस्ती न रह पाए। उनकी दिली तमन्ना कुछ कर दिखाने की थी। इसी अभिलाषा को हृदय में संजोए वे बस्ती से प्रयाग (इलाहाबाद) पहुंच गए। इलाहाबाद से उन्होंने बी.ए. और सन् 1949 में एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1949 का यह साल पत्रकार सर्वेश्वर के मर्मान्तक पीड़ा देने वाला साबित हुआ और उनकी प्यारी माँ अपने स्वास्थ्य एवं आर्थिक विपन्नता को झेलते हुए उनसे हमेशा के लिए बिछुड़ गई। उस वर्ष घोर दुःख एवं विपन्नता को सहते हुए सर्वेश्वर किसी प्रकार लगभग चार माह अपने पिता के साथ बस्ती रहे। यहीं उन्होंने प्रख्यात उर्दू शायर ताराशंकर 'नाशाद' के साथ 'परिमल' (साहित्यिक संस्था) की स्थापना की।

पत्रकारिता- सर्वेश्वर जी को ए.जी. ऑफिस, इलाहाबाद के सेक्रेटरी, जो स्वयं साहित्यिक रुचि के थे, तार देकर प्रयाग बुलाया। सर्वेश्वर जी प्रयाग पहुंचे और उन्हें ए.जी. ऑफिस में प्रमुख डिस्पैचर के पद पर कार्य मिल गया। ऑफिस के प्रमुख अधिकारी सर्वेश्वर जी की साहित्यिक रुचियों से ख़ासे प्रभावित थे, इसके चलते उन्हें वहाँ काम में बहुत स्वतंत्रता मिली। इस प्रकार सर्वेश्वर के लिए यह नौकरी वरदान साबित हुई तथा प्रयाग के साहित्यिक-सांस्कृतिक वातावरण में उन्हें रमने एवं बेहतर रचने का मौका मिला। वे ए.जी. ऑफिस में 1955 तक रहे। तत्पश्चात ऑल इंडिया रेडियो के सहायक संपादक (हिंदी समाचार विभाग) पद पर आपकी नियुक्ति हो गई। इस पद पर दिल्ली में वे 1960 तक रहे। सन 1960 के बाद वे दिल्ली से लखनऊ रेडियो स्टेशन आ गए। 1964 में लखनऊ रेडियो की नौकरी के बाद वे कुछ समय भोपाल एवं इंदौर रेडियो में भी कार्यरत रहे।

दिनमान एवं पराग का सम्पादन- सन 1964 में जब दिनमान पत्रिका का प्रकाशन आरंभ हुआ तो वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के आग्रह पर वे पद से त्यागपत्र देकर दिल्ली आ गए और दिनमान से जुड़ गए। 'अज्ञेय' जी के साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्होंने काफ़ी कुछ सीखा। 1982 में प्रमुख बाल पत्रिका पराग के सम्पादक बने। इस बीच उनकी पत्नी विमला देवी का निधन हो गया। तत्पश्चात् सर्वेश्वर की बहन यशोदा देवी ने आकर उनकी दोनों बच्चियों को मातृत्व भाव से लालन-पान किया। पराग के संपादक के रूप में आपने हिंदी बाल पत्रकारिता को एक नया शिल्प एवं आयाम दिया। नवंबर 1982 में पराग का संपादन संभालने के बाद वे मृत्युपर्यन्त उससे जुड़े रहे।

साहित्यिक परिचय- समकालीन हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता में जहां तक जनता से जुड़े क़लमकारों का सवाल है, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना अपनी बहुमुखी रचनात्मक प्रतिभा के साथ एक जवाब की तरह सामने आते हैं। कविता हो या कहानी, नाटक हो या पत्रकारिता, उनकी जनप्रतिबद्धता हर मोर्चे पर कामयाब है।

कथा साहित्य- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना एक कथाकार एवं उपन्यासकार के रूप में भी हिंदी साहित्य संसार में समादृत हुए। विश्वविद्यालीय जीवन में ही उन्हें उनकी कहानियों के लिए पुरस्कार मिले। अपना लेखक जीवन उन्होंने वस्तुतः एक कथाकार के रूप में आरंभ किया। सन 1950 तक वे कहानियां लिखते रहे। तीन-चार सालों बाद उन्होंने फिर कहानियां लिखीं। इसी समय उनका लघु उपन्यास 'सोया हुआ जल' छपकर आया, फिर उनका उपन्यास 'उड़े हुए रंग' छपा। एक अन्य कथा संग्रह 'अंधेरे पर अंधेरा' की ख़ासी चर्चा हुई।

काव्य साहित्य- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना एक बेहद संवेदनशील कवि साबित हुए। कहानी के बाद वे कविता लेखन के क्षेत्र में 1950 में आए। कम समय में उन्होंने अपने समय के लोगों में जो ख़ास जगह दर्ज कराई, उससे वे हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर बन गए। 1959 में अज्ञेय के संपादन में प्रकाशित 'तीसरा सप्तक' के कवि के रूप में पहचाने गए। उनके कविता संग्रह 'खूंटियों पर टंगे लोग' पर उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला। सही अर्थों में सर्वेश्वर नई कविता के अधिष्ठाता कवियों में एक थे। सर्वेश्वर के काव्य ने नई कविता की शक्ति और सामर्थ्य को एक नई अर्थवत्ता प्रदान की, भावनात्मक भावों से हटकर विचारों की ठोस भूमि पर अपनी प्रामाणिकता सिद्ध की है। अपनी जनपरक मानसिकता, सामाजिक सत्यों को उजागर करने के अनवरत प्रयास, संतुलित संवेदना और अपनी बेलाग किंतु भारतीय लोक परंपरा एवं संस्कृति से सीधे-सीधे जुड़ी हुई काव्यभाषा की विशिष्टता के कारण सर्वेश्वर नई कविता के प्रतिनिधि कवि माने गए। सर्वेश्वर ने नाटक, उपन्यास, कहानी के समान पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अनेक ऊँचाइयां प्राप्त की लेकिन उनका कवि व्यक्तित्व ही सर्वाधिक प्रखर है। प्रख्यात आलोचक डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल मानते हैं कि समसामयिक जीवन-संदर्भों, समस्याओं से सीधे जुड़ने के कारण उनकी ताजी संवेदनात्मक क्षमता एक क्षमता संपन्न कवि के काव्य को नवीन विचारों-दृष्टियों से भरा-पूरा बना रही है । पालीवाल मानते हैं कि सर्वेश्वर के कवि ने लगाता अपने को विकसित, परिष्कृत करते हुए धारदार बनाया है। सर्वेश्वर की कविता में भाषा की कामधेनु का दूध इतना ताजा एवं जीवनप्रद है कि नई कविता का संसार उससे पुष्ट ही हुआ है। सामाजिक परिवर्तन को लगातार नजरुल इस्लाम की तरह अराजकतावादी स्वर की तरह पहचानते हैं। सामाजिक व्यवस्था के विद्रोहपूर्ण क्षण में वे अपने से भी विद्रोर करते हैं-

मैं जहां होता हूँ
वहाँ से चल पड़ता हूँ
अक्सर एक व्यथा
एक यात्रा बन जाती है।

अपनी कविता और अपने उद्देश्य को वे पूरे खुलेपन से स्वीकारते हैं और कहते हैं-

अब मैं कवि नहीं रह
एक काला झंडा हूँ ।
तिरपन करोड़ भौंहों के बीच मातम में
खड़ी है मेरी कविता।

प्रख्यात कवि कुंवर नारायण मानते हैं कि, सर्वेश्वर मूलतः अपने तीव्र आवेगों और उत्तेजनाओं वाले व्यक्ति थे, जिनका पूरा असर उनके लेखन और उनके आपसी संबंधों दोनों पर पड़ता था।

टाटा ग्रुप की इस कंपनी को घाटे से नहीं निकाल पा रहे नए चेयरमैन!

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के एक इंडिपेंडेंट डायरेक्टर ने टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड (टीआईएल) के लिए ज्यादा फोकस्ड बिजनेस स्ट्रैटजी अपनाने को कहा है, ताकि ये कंपनी लगातार प्रॉफिट दे सके। ग्लोबल फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स कंपनी यूनिलीवर के अनुभवी हरीश मनवानी ने पिछले हफ्ते टाटा संस की बोर्ड मीटिंग के दौरान टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के सामने अपने आइडिया रखे।

इस मीटिंग में टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन के अलावा बोर्ड के अन्य मेंबर्स भी मौजूद रहे। बता दें कि टाटा इंटरनेशनल, जो कि एक ग्लोबल ट्रेडिंग और डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी है, पिछले दो वित्त वर्षों से घाटे में चल रही है।

किन चीजों का ट्रेड करती है टाटा इंटरनेशनल- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बैठक में मनवानी ने नोएल टाटा पर टाटा इंटरनेशनल का रणनीतिक उद्देश्य स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने कहा कि टाटा इंटरनेशनल के सामने एक ऐसी यूनिट बने रहने का जोखिम है, जिसमें एक्टिविटीज का एक फ्लेक्सिबल मिक्स है, जो शॉर्ट टर्म लेन-देन के अवसरों पर निर्भर करता है।

टाटा इंटरनेशनल, जो मुख्य रूप से लौह अयस्क, कोयला और तिलहन व दालों समेत कृषि वस्तुओं की ट्रेडिंग करती है, पिछले दो वित्तीय वर्षों से घाटे में है।

नोएल टाटा के मुताबिक पिछले वर्ष टाटा इंटरनेशनल के 477 करोड़ के घाटे के कारणों में ट्रेडिंग के कम मार्जिन वाले कारोबार बने रहना और विदेशी मुद्रा घाटा शामिल है। अन्य कारणों में मेडागास्कर में एक्सप्लोरेशन लाइसेंस रद्द होना और कंपनी द्वारा किया गया पुनर्गठन शामिल है।

टाटा इंटरनेशनल का रेवेन्यू FY25 में 31,868 करोड़ का रहा, जिसमें ट्रेडिंग से 84% (26,251 करोड़) और डिस्ट्रिब्यूशन और मैन्युफैक्चरिंग से क्रमशः 9% और 7% रेवेन्यू हासिल हुआ।

कितने घाटे में रही टाटा इंटरनेशनल- टाटा इंटरनेशनल को FY23 में 100.23 करोड़ का प्रॉफिट हुआ था, फिर उसके बाद इसे FY24 में 213 करोड़ का घाटा और FY25 में 477 करोड़ का घाटा हुआ। साल 2020 से, कंपनी का कारोबार दोगुना हो गया है। हालांकि, प्रॉफिटेबिलिटी और नेटवर्थ दोनों एक चुनौती बने हुए हैं।

100 रुपये में नवरत्न कंपनी का शेयर, एक और ऑर्डर मिलने से उछला भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में 22 सितंबर को गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है, लेकिन इस मंदी में सरकारी सेक्टर की एक नवरत्न कंपनी के शेयर बड़ी तेजी दिखा रहे हैं। दरअसल, एनबीसीसी (इंडिया) के शेयर 6 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़ी इस सरकारी कंपनी के शेयरों में यह जोरदार तेजी कुछ खबरों के चलते आई है। दरअसल, एनबीसीसी (इंडिया) को आवास एवं शहरी विकास निगम से लगभग 117 करोड़ रुपये के कई वर्क ऑर्डर मिले हैं। इसके बाद दोनों ही कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है।

सुबह एनबीसीसी (इंडिया) के शेयर 111.20 रुपये पर ओपन हुए और 117.20 रुपये का हाई लगा दिया। फिलहाल, इस सरकारी कंपनी के स्टॉक 6 फीसदी की ज्यादा की तेजी के साथ 117.01 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले 5 सालों में एनबीसीसी के शेयरों ने 600 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

एमओयू की शर्तों के तहत, एनबीसीसी अलग-अलग शहरों में 4 इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स और डेवलपमेंट्स प्रोजेक्ट्स शुरू करेगी।इनमें यूपी के कौशाम्बी, गाजियाबाद में एक कमर्शियल प्लॉट का डेवलपमेंट (23.08 करोड़ रुपये)।

दूध-बिस्किट, एसी-टीवी से बाइक-कार तक, 1 रुपए से डेढ़ लाख रुपए तक सस्ता हुआ सामान

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन शुरू होते ही आम आदमी के लिए खुशखबरी आ गई है। मोदी सरकार के नए जीएसटी रेट 22 सितंबर से लागू हो गए हैं और इसके साथ ही रोजमर्रा के सामान से लेकर एसी, टीवी, बाइक-कार तक सबकुछ सस्ता हो गया है। रोज इस्तेमाल होने वाले सामानों से लेकर लग्जरी कारों पर 1 रुपए से लेकर डेढ़ लाख तक की बचत होगी। वहीं लग्जरी कारों पर तो 30 लाख रुपए तक की बचत होगी। खाने-पीने की चीजों में सबसे ज्यादा राहत मिली है। दूध, दही और पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स 2 से 40 रुपए तक सस्ते हो गए हैं। वहीं, बिस्किट और नूडल्स अब 1 रुपए कम दाम पर मिलेंगे। चाय-पत्ती और कॉफी खरीदने पर 5 से 25 रुपए तक की बचत होगी। रोज इस्तेमाल होने वाले साबुन, टूथपेस्ट और शैंपू पर भी 2 से 55 रुपए तक की राहत मिली है। नीचे दी गई लिस्ट में देखें कि आपको हर सामान पर कितने रुपए तक की बचत होगी।

BMW और रेंजरोवर जैसी लग्जरी कारें 30 लाख रु. तक सस्ती - अभी तक लग्जरी कारों पर 28% जीएसटी और 22% सेस लगता था। लेकिन जीएसटी दरों में सुधार के बाद लग्जरी कारों पर 40% जीएसटी लगेगा। लेकिन सेस में अब पूरी तरह राहत दे दी गई है। यानी अभी तक जो कार 30 लाख रुपए की मिलती थी, वो अब 28 लाख तक मिलेगी। वहीं बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, डिफेंडर और रेंज रोवर जैसी कारें अब 1.80 लाख रुपए से 30 लाख रुपए तक सस्ती हो जाएंगी।

दिवाली पर खुलेगा शेयर बाजार, मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान 1 घंटा होगा कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर साल की तरह इस साल भी स्टॉक एक्सचेंज NSE और BSE दिवाली के अवसर पर (मंगलवार 21 अक्टूबर) मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन आयोजित करेंगे। ये मुहूर्त ट्रेडिंग दिवाली के त्योहार और हिंदू कैलेंडर के नए लेखा वर्ष संवत 2082 की शुरुआत का प्रतीक होगा।

दिवाली पर वैसे तो शेयर बाजार की छुट्टी रहती है, मगर हर साल दिवाली पर शेयर बाजार 1 घंटे के लिए खुलता है। इस साल ये किस टाइम खुलेगा, आइए जानते हैं।

शाम को खुलेगा शेयर बाजार- इस साल दिवाली मंगलवार 21 अक्टूबर की पड़ रही है। उस दिन शाम को 6.15 बजे शेयर बाजार में कारोबार शुरू होगा, जबकि 7.15 बजे बंद होगा। यानी एक घंटे के लिए शेयर बाजार में मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। ये ट्रेडिंग बिल्कुल सामान्य होती है।

क्यों खास होती है मुहूर्त ट्रेडिंग

ऐसा माना जाता है कि मुहूर्त ट्रेडिंग सौभाग्य और समृद्धि लाती है। इस सत्र के दौरान ट्रेडिंग शुरू करने से पूरे वर्ष के लिए सकारात्मक माहौल बनता है और कई व्यापारी इसे अपनी वार्षिक ट्रेडिंग रणनीति का एक अनिवार्य हिस्सा मानते हैं।

पिछले साल कैसी रही थी मुहूर्त ट्रेडिंग- भारतीय शेयर बाजार पिछले साल 1 नवंबर को हुई मुहूर्त ट्रेडिंग में मजबूती के साथ बंद हुआ था।

क्या है Shrimp Tariff Act? 2 अमेरिकी सांसद भारत पर लागू करना चाहते ये कानून, किस सेक्टर को होगा इससे नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले से भी भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं और अब दो अमेरिकी सांसद भारत पर श्रिम्प टैरिफ एक्ट लगाने की मांग कर रहे हैं। इस खबर के चलते शेयर बाजार में झींगा निर्यातक कंपनियों के शेयर बुरी तरह गिर गए। दरअसल, यह टैरिफ एक्ट भारतीय झींगा निर्यातक कंपनियों पर लगाए जाने की मांग की जा रही है। अमेरिकी सीनेटर बिल कैसिडी और सिंडी हाइड-स्मिथ ने पिछले सप्ताह यूएस कांग्रेस में भारत झींगा टैरिफ अधिनियम पेश किया।

इस बिल को लेकर इन अमेरिका सांसदों की दलील है कि वे इसके जरिए भारत द्वारा की जा रही अनुचित व्यापार प्रथाओं पर रोक लगाना चाहते हैं। क्योंकि, यह लुइसियाना के झींगा और कैटफ़िश उद्योगों के लिए खतरा है।

श्रिम्प टैरिफ एक्ट, इस प्रस्तावित अधिनियम का मकसद अमेरिकी बाज़ारों में भारतीय झींगों की डंपिंग को रोकना है। इस अधिनियम को यूएस कांग्रेस में पेश करने वाले अमेरिकी सांसद कैसिडी ने कहा, समान अवसर प्रदान करके, यह विधेयक लुइसियाना के समुद्री खाद्य पदार्थों और उस पर निर्भर नौकरियों की रक्षा करता है।

हाइड-स्मिथ ने कहा कि अनियंत्रित आयात ने अमेरिकी झींगा उत्पादकों, प्रोसेसर और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुँचाया है। उन्होंने कहा, यह विधेयक हमारे घरेलू उद्योग को और अधिक समान अवसर प्रदान करेगा। अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो निर्यात-उन्मुख झींगा चारा कंपनियों के मुनाफे को नुकसान पहुँच सकता है।

पिछले हफ़्ते की शुरुआत में, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ़ से भारत के झींगा निर्यातकों को 25,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है, और आधे से ज़्यादा निर्यात ऑर्डर रद्द होने की आशंका है।

वेदांता को झटका, सरकार ने नहीं बढ़ाया दो ऑयल फील्ड का प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेदांता को केंद्र सरकार से एक बड़ा झटका मिला है। सरकार ने वेदांता के साथ हुए दो ऑयल फील्ड के प्रोडक्शन शेयरिंग कांट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है और साथ ही सरकारी तेल-गैस कंपनी ONGC को इन दोनों ऑयल फील्ड का टेकओवर करने का आदेश दिया है।

इस मामले पर वेदांता के प्रवक्ता ने कहा है कि उक्त ब्लॉक के ठेकेदार ओएनजीसी, वेदांता और इन्वेनायर थे। ओएनजीसी की इसमें 50त्न हिस्सेदारी थी, जो सबसे बड़ी हिस्सेदारी थी, जबकि शेष हिस्सेदारी वेदांता और इन्वेनायर के बीच बंटी हुई थी। यह ब्लॉक वेदांता के कुल ईबीआईटीडीए में 0.3त्न से भी कम योगदान करता था।

हालांकि इस सरकारी फैसले का वेदांता के शेयर पर कोई निगेटिव असर नहीं दिख रहा है। करीब सवा 1 बजे वेदांता का शेयर बम्बई पर 4.25 रुपये या 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 459.80 रुपये पर है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

शातिर ठगों का पर्दाफाश... जीआरपी ने धर दबोचा, दिल्ली में भी कर चुके हैं लाखों की ठगी

ग्वालियर। इंदौर के झांझरिया ज्वेलर्स के साथ लाखों की ठगी कर भाग रहे जिन शातिर ठगों को गत रविवार को ग्वालियर जीआरपी ने शताब्दी एक्सप्रेस से पकड़ा था, वे दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में ठीक इसी पैटर्न पर ठगी की कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। दोनों आरोपित दिल्ली के चाणक्यपुरी, साउथ ईस्ट और रोहिणी क्षेत्र में भी अपराध कर चुके हैं। आरोपित इंदौर में नानाभाई ज्वेलर्स को भी ठगने वाले थे, लेकिन कर्मचारी के देरी से पहुंचने पर वारदात होने बच गई।

ठगों ने पुलिस के सामने जुर्म कबूला

शातिर ठगों ने सोमवार को इन ठगों को लेने ग्वालियर आई इंदौर पुलिस के सामने ये स्वीकार किया। पूछताछ के दौरान ये भी पता चला कि ठगों ने इंदौर में होलिडेस रेंटर एंड होम्स एयर बीएनबी के माध्यम से पिनेकल ड्रीम्स में ऑनलाइन फ्लैट बुक किया था। इसी फ्लैट में ठगी की साजिश रची और झांझरिया ज्वेलरी शाप पर फोन कर सोने के आभूषणों की डिजाइन मांगी। शॉप का कर्मचारी पवन कड़े और चेन लेकर पहुंच गया। घर में कर्मचारी और नौकर देखकर शक नहीं हुआ। बातचीत के दौरान दिव्यांग आरोपी ने भाभी को आभूषण दिखाने का बोला और पहले से खड़ी कार में बैठ गया। पवन ने रोकने की कोशिश की, तो धक्का-मुक्की कर फरार हो गए। इसके बाद बायपास पर दूसरी कार मंगवाई और भोपाल पहुंच गए। झांझरिया ज्वेलर्स को चपत लगाकर हुए थे फरार

आरोपियों ने इंदौर के नानाभाई ज्वेलर्स से भी आभूषण मंगवाए थे। उनके कर्मचारी को पहुंचने में देरी हो गई और आरोपित झांझरिया ज्वेलर्स को चपत लगाकर फरार हो गए। पुलिस फ्लैट किराए पर देने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई करेगी, क्योंकि आरोपियों से आइडी भी नहीं ली गई थी। एयर बीएनबी को भी नोटिस भेजा जा रहा है। जानकारी छुपाने के आरोप में कार्रवाई की जा सकती है।दिल्ली में भी कर चुके हैं लाखों की ठगी

गौरतलब है कि आरोपित विशाल पुत्र शंकरलाल निवासी सूर्या अपार्टमेंट, विपिन गार्डन के पास वेस्ट दिल्ली और प्रमोद पुत्र कल्याणदास सेन निवासी बस स्टैंड के पीछे, गंगेश्वर कालोनी, कासगंज उप्र के खिलाफ झांझरिया ज्वेलर्स के कर्मचारी पवन कुमार चौहान की शिकायत पर लूट का केस दर्ज हुआ था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने कार चालक को पकड़ा, तो पता चला कि आरोपित शताब्दी एक्सप्रेस से दिल्ली जा रहे हैं। इसके बाद इंदौर पुलिस की सूचना के आधार पर जीआरपी ने दोनों ठगों को शताब्दी एक्सप्रेस से पकड़कर उतार लिया था।

पैडलर पर एक्शन, सप्लायर फरार... ड्रग तस्करी के हर कांड में पुलिस की पकड़ से दूर नशे के कारोबारी

भोपाल। राजधानी में युवाओं के बीच नशे का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। पुलिस इसे पकड़ने के लिए हर बार जाल डालती है, लेकिन उसमें सिर्फ छोटे सप्लायर ही पकड़े जाते हैं, जबकि उस धंधे के मास्टरमाइंड छुपे रह जाते हैं। भोपाल में क्राइम ब्रांच की कार्रवाई के ताजा मामलों में भी यही कहानी दोहराई गई है, जहां तस्करों की गिरफ्तारियां तो हुईं, लेकिन नेटवर्क की जड़ें जस की तस बनी रहीं। पुलिस से बचकर यही मास्टरमाइंड नए तस्कर तैयार कर लेते हैं और फिर उनके जरिए नशे का कारोबार शहर में पैर जमाए रहता है।

कार्रवाई में सामने आते हैं सिर्फ मिडलमैन-लंबे समय से क्राइम ब्रांच पुलिस ड्रग्स और गांजा के साथ जिन तस्करों को गिरफ्तार करती है, वे अक्सर या तो उड़ीसा, राजस्थान या फिर दिल्ली से सप्लाई होने का लिंक बताते रहे हैं। पुलिस ने समय-समय पर उनकी निशानदेही पर दबिश भी दी, लेकिन अब तक नशे का कोई बड़ा अंतरराज्यीय सिंडिकेट पकड़ने में सफलता नहीं मिल सकी है। पुलिस कार्रवाई में बार-बार सामने आते हैं सिर्फ मिडलमैन, जो पैडलर की तरह काम करते हैं। वे खुद नशे के आदी या रूपयों के लालच में फंसे लोग होते हैं। लेकिन इनके पीछे बैठे बड़े सप्लायर आसानी से नए चेहरे मैदान में उतार देते हैं। भोपाल में गांजा तस्कर को पकड़ा

पुलिस के शिकंजे में आते ही एक पैडलर बाहर, और तुरंत दूसरा तैयार हो जाता है। शहर के चर्चित मछली कांड में ड्रग तस्करी के आरोपित यासीन ने ड्रग सप्लाई को लेकर दिल्ली और राजस्थान का नाम लिया था। उस दौरान राजस्थान के कुख्यात ड्रग डीलर टीकालाल उर्फ इमरान का नाम सामने आया था। हालांकि कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक बार फिर आगर मालवा के तस्कर किफायतउल्लाह खान को भोपाल में गांजा तस्करी करते हुए पकड़ा है।

वह भोपाल में दो अन्य तसकर अफजल और मंसूर को एमडी ड्रग बेच रहा था। किफायतउल्लाह अपने दामाद अरबाज के रूट से ड्रग तस्करी के धंधे में आया था। अरबाज का संबंध भी राजस्थान के उसी इमरान से बताया जा रहा है। ऐसे में एक बार फिर पुलिस के पास एक बड़े अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह पर कार्रवाई का बड़ा मौका है।

आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ड्रग तस्करी के तह तक जाती है। पुख्ता सबूतों के अभाव में कई कार्रवाई नहीं कर पाते हैं। इस बार भी आरोपितों से तस्करी के पूरे रूट को लेकर पूछताछ की जा रही है।

- अखिल पटेल, डीसीपी क्राइम ब्रांच

सावधान! सोशल मीडिया पर भूल से भी न करें ऐसे पोस्ट...ये हरकत करा सकती है जेल

जबलपुर। सोशल मीडिया लोगों को एक दूसरे से जुड़ने, जानकारी साझा करने और स्वयं को पहले से कहीं अधिक अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग कर इन्फ्लुएंसर समाज को जागरूक कर सकते हैं। उनके बीच परस्पर सद्भाव एवं सौहार्द को बढ़ावा देकर शांति व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं। त्योहार आरंभ हो रहे हैं। इस दौरान कई बार सोशल मीडिया पर दी गई भ्रामक जानकारी और गलत सूचना से अफवाहें फैलने की आशंका है। इसलिए इन्फ्लुएंसर सोशल मीडिया के उपयोग में सावधानी बरतें। नकारात्मक पहलुओं में किसी प्रकार की जानकारी अपलोड करने की गलती न करें। ये निर्देश रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता ने दिए। वे पुलिस नियंत्रण कक्ष में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की बैठक ले रहे थे।

पुलिस अधीक्षक ने दिए निर्देश पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने पर चर्चा हुई। इन्फ्लुएंसर को बताया गया कि सोशल पर समस्त सामग्रियों की पुलिस की साइबर सेल निगरानी कर रही है। गलत जानकारी पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इन्फ्लुएंसर समाज के हित में ऐसी पोस्ट साझा करें जो सभी में समन्वय बनाने और अशांति से बचाए। इन्फ्लुएंसर को दिए गए निर्देश

सोशल मीडिया में ऐसे वीडियो डाले जाये जिससे समाज में अच्छा सदेश पहुंचे, किसी भी प्रकार की भ्रामक, झूठी, खबरों/ सूचना को सोशल मीडिया पर न प्रसारित करें और न ही फॉरवर्ड करें, यह एक संज्ञेय अपराध है, ऐसी अफवाह/भ्रामक खबर फैलाने वालों/ऑडियो/वीडियो जारी एवं फॉरवर्ड करने वालों के विरूद्ध बीएनएस एवं आईटी एक्ट के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

धार्मिक अस्था से जुड़े विषय पर धार्मिक आयोजनों के वीडियो गरिमामय होने चाहिये जिससे किसी की धार्मिक आस्था को ठेस न पहुंचे।

धार्मिक/साम्प्रदायिक भावना को आघात पहुंचाने वाले पोस्ट/आडियो/वीडियो/मैसेज न ही साझा करें, न ही फॉरवार्ड करें।

सोशल मीडिया पर व्यूज पाने के लिये लोग अश्लील, फूहड़ता वाले वीडियो बनाकर पोस्ट करते है ऐसे पोस्ट डालने से बचना चाहिये।

सोशल मीडिया में किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन करना अवैध एवं प्रतिबंधित है, ऐसा करने वाले विरूद्ध आर्म्स एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जा सकती है।

सड़कों पर झुंड बनाकर सैलीब्रेट करना, केक काटना, डांस करना, अथवा किसी भी प्रकार से स्टंटबाजी करने पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई हो सकती है।

सोशल मीडिया में अच्छे व्यूज पाने के लिये वाहनों पर एकत्रित होकर रैली जैसे सड़कों पर घूम कर वीडियो पोस्ट करने पर भी कार्यवाही हो सकती है क्योंकि किसी भी प्रकार की वाहन रैली बिना वैद्य अनुमति के प्रतिबंधित है।

सोशल मीडिया पर आम लोगों को यातायात के नियम संबंधी जानकारी प्रेषित करना चाहिये जिससे लोग जागरूक होकर यातायात के नियमों का पालन करें। प्रायः देखने में आता है आम लोग वाहनों को अस्त व्यस्त पार्क कर देते हैं जिससे यातायात बाधित होता है तथा किसी भी मार्ग पर यूटर्न ले लिया जाता है।

विश्व धरोहर की सूची में शामिल होने के करीब पहुंचा जबलपुर का भेड़ाघाट और लम्हेटाघाट

जबलपुर। भेड़ाघाट व लम्हेटाघाट की चट्टानें यूनेस्को के विश्व धरोधर सूची में शामिल होने के करीब पहुंच गई हैं। जिसके बाद नर्मदा तट पर बसे जबलपुर की प्राचीन धरा को अब पूरी दुनिया में पहचान मिलेगी। भूगर्भ शास्त्र के अनुसार दो हजार करोड़ वर्ष पुरानी जबलपुर के नर्मदा तट की चट्टानें सदियों से पृथ्वी की कई संरचनाओं के निर्माण की गवाह रही हैं।

कुछ वर्ष पहले यूनेस्को ने भेड़ाघाट और लम्हेटाघाट (भूगर्भशास्त्र में लमेटा फार्मेशन के नाम से विख्यात) की चट्टानों को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का निर्णय किया और वर्ष 2021 में लम्हेटा यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल हुआ। संगमरमर के पत्थरों को चीरकर निकलती नर्मदा के इस तट को दुनिया के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की सूची में लाने के लिए वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (डब्ल्यूआइआइ), जियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड समेत राष्ट्रीय स्तर की अन्य एजेंसी कार्य कर रही हैं।

ओंकारेश्वर की पुण्य भूमि से हो रहा एकात्मता का प्रसार : महामंडलेश्वर स्वामी नर्मदानंद

जगत के कल्याण के लिए ही आचार्य शंकर अवतरित हुए - स्वामी भूमानंद सरस्वती

इंदौर। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा पुण्य नर्मदा नदी के पावन तट पर, आदि शंकराचार्य की गुरु और संन्यास भूमि पर स्थित अद्भुत और अलौकिक एकात्म धाम में, सन्यास परंपरा के प्रतीक आचार्य शंकर की 108 फीट ऊँची बहुधातु की प्रतिमा 'एकात्मता की प्रतिमा' की स्थापना की द्वितीय वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर आचार्य शंकर के विरचित स्तोत्रों और भाष्य का पारायण किया गया। साथ ही रुद्राभिषेक और संवाद कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी नर्मदानंद बापजी, स्वामी भूमानंद सरस्वती सहित बड़ी संख्या में शंकर दूत और एकात्म धाम के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मार्कण्डेय संन्यास आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में श्री श्री ओंकारेश्वर के आचार्यों एवं वेद अध्ययनकर्ताओं ने भाष्य पारायण के साथ विधिवत् गुरु पूजन एवं रुद्राभिषेक किया। महामंडलेश्वर स्वामी नर्मदानंद बापजी ने कहा कि जगत के कल्याण के लिए भगवान शंकराचार्य का अवतार हुआ। ओंकारेश्वर की पुण्य भूमि का सौभाग्य है कि आचार्य गुरु की खोज में यहाँ आएं। आज एकात्म धाम के माध्यम से विश्व में एकात्मता का संदेश यहीं से जन-जन तक पहुँच रहा है।

उन्होंने कहा कि भगवत्पाद भाष्यकार भगवान आद्य जगदुरु शंकराचार्य ने अद्वैत एवं एकात्मता का उद्घोष करते हुए उपनिषद, गीता और ब्रह्मसूत्र पर भाष्य रचे तथा चार मठों की स्थापना से भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बाँधा। पूरे विश्व को शांति, समाधान और एकात्मकता प्रदान करने की सामर्थ्य अद्वैत दर्शन में निहित है।

स्वामी भूमानंद सरस्वती ने कहा कि अद्वैत एक जीवन दृष्टि है। आज पुनः ओंकार की तपोभूमि से अद्वैत की सर्वत्र अनुगूँज सुनाई दे रही है। समस्त समस्याओं की जड़ भेदभाव है और उसका समाधान अद्वैत वेदांत में निहित है।

ब्रह्मचारी रमण चैतन्य ने कहा कि आचार्य शंकर केवल ज्ञानी ही नहीं, परम भक्त भी थे। उन्होंने जगन्नाथ अष्टकम्, नर्मदा स्तोत्र, गंगा स्तोत्र जैसे स्तोत्रों की रचना कर भक्ति एवं उपासना को जीवंत रखा।

शंकर विरचित स्त्रोतों से गूंजा ओंकार पर्वत- कार्यक्रम में शंकर दूतों ने तोटकाष्टकम्, नर्मदा अष्टक, गंगा स्तोत्र जैसे विभिन्न आचार्य विरचित स्तोत्रों का गायन किया। इस दौरान ''विदिताखिल शास्त्र सुधा जलधे, महितोपनिषत्-कथितार्थ निधे, हृदये कलये विमलं चरणं, भव शंकर देशिक मे शरणम्'' मंत्रोच्चारण से आयोजन और भी दिव्य एवं भक्ति-पूर्ण बना। इनके माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं और विद्वानों ने भगवत्पाद आचार्य की भक्ति, ज्ञान और उपासना के प्रति गहन श्रद्धा का अनुभव किया।

एकात्मता का वैश्विक केंद्र 'एकात्म धाम'- ज्ञात हो कि आचार्य शंकर ने भारतवर्ष का भ्रमण कर संपूर्ण राष्ट्र को सार्वभौमिक एकात्मता से आलोकित किया। अद्वैत वेदान्त दर्शन के शिरोमणि, सनातन वैदिक धर्म के पुनरुद्धारक एवं सांस्कृतिक एकता के देवदूत श्री शंकर भगवत्पाद का जीवन एवं दर्शन अनंत वर्षों तक संपूर्ण विश्व का पाथेय बने, इस संकल्प के साथ आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, आचार्य की संन्यास एवं ज्ञान भूमि ओंकारेश्वर में भव्य एवं दिव्य एकात्म धाम के निर्माण के लिए संकल्पित है।

एकात्म धाम के अंतर्गत प्रथम चरण में आचार्य शंकर की 108 फीट की एकात्मता की मूर्ति की स्थापना की गई है। वहीं द्वितीय चरण में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आचार्य शंकर के जीवन और दर्शन पर केंद्रित अद्वैत लोक संग्रहालय का निर्माण 2,195 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है।

लोकल फ़ॉर वोकल थीम पर लगेगा स्वदेशी मेला

इंदौर। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान गर्व से कहो, यह स्वदेशी है के अंतर्गत जिले में लोकल फॉर वोकल थीम पर स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 25 से 27 सितम्बर 2025 तक स्थानीय ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, इंदौर में आयोजित होगा। इस मेले में जिले की महिला उद्यमियों एवं स्वरोजगारियों द्वारा निर्मित विविध उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाएगा, जिनमें प्रमुख रूप से रसायन रहित जैविक खाद्य उत्पाद, गौ आधारित उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, वनोपज, हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पाद शामिल है। मेले की विशेषता यह रहेगी कि इसमें मिलेट से संबंधित उत्पादों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही फूड जोन का भी आकर्षक आयोजन किया गया है। इस आयोजन की तैयारियों की निरंतर समीक्षा जिला कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में की जा रही है। जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस स्वदेशी मेला में सहभागी बनकर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया है।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत महू में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुआ आयोजन

इंदौर। जनजाति कार्य मंत्रालय भारत सरकार तथा मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इंदौर जिले के 56 गांव में लागू किए गए आदि कर्मयोगी अभियान के तहत रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर संस्थान डॉ अंबेडकर नगर महू में विधायक सुश्री ऊषा ठाकुर के मार्गदर्शन तथा जनपद अध्यक्ष श्री सरदार मालवीय के विशेष प्रयासों से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व महू श्री राकेश परमार, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री नरेंद्र सिंह भिड़े की उपस्थिति में समस्त जन प्रतिनिधियों तथा ग्रामों में डाटा संकलन का कार्य कर रहे समस्त विलेज मास्टर ट्रेनर तथा ब्लॉक लेवल अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण व कार्यशाला का आयोजन किया गया। परियोजना अधिकारी श्री मोहन सोनी ने इस कार्यशाला में आदि कर्मियों की अभियान पर संपूर्ण प्रकाश डालते हुए आदि प्रसारण पोर्टल, आदि साथी, आदि सहयोगी के रूप में रजिस्ट्रेशन, आदि वाणी एप डाउनलोड करने व इसके उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया गया। गांव में सरकारी कर्मचारी जो विलेज मास्टर ट्रेनर हैं उनके साथ तमाम जनप्रतिनिधि एनजीओ के साथी गांव के शिक्षित युवा इत्यादि के सहयोग से डाटा संकलन का कार्य घर-घर ट्रांसिट वाक कर चल रहा है। इस कार्य में आने वाली व्यक्तिगत और व्यावहारिक समस्याओं को भी कार्यशाला में श्री मोहन सोनी द्वारा दूर किया गया। डाटा संकलन का कार्य पूर्ण होने के पश्चात विलेज एक्शन प्लान तय समय में 30 सितंबर तक पूरा कर 2 अक्टूबर की विशेष ग्राम सभा में इसे पारित करवाने हेतु भी मार्गदर्शन दिया गया।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने ध्वज दिखाकर सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित नमो मैराथन दौड़ की प्रारम्भ

इंदौर। सेवा पखवाड़ा अंतर्गत रविवार को इंदौर के राजीव गांधी चौराहे से भँवरकुंआ चौराहे तक नमो मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने ध्वज दिखाकर मैराथन दौड़ प्रारम्भ की। सेवा पखवाड़े अंतर्गत आयोजित मैराथन दौड़ से पूर्व उन्होंने बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं, बुजुर्ग और बच्चों को नशे दूर रहने और इंदौर शहर को स्वच्छ रखने के लिए शपथ भी दिलाई। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन तक प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इंदौर में आज आत्मनिर्भर-भारत विकसित भारत थीम पर नमो मैराथन का आयोजन किया गया। नमो मैराथन सुबह राजीव गांधी चौराहा से भंवरकुआ चौराहा तक किया गया।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, खंडपीठ इंदौर में दो दिवसीय एडवोकेसी स्किल्स डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

इंदौर। श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश के निर्देशन एवं श्री न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, प्रशासनिक न्यायाधीश, उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश एवं कार्यपालक अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के सहयोग से 20 एवं 21 सितम्बर, 2025 को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, खंडपीठ इंदौर में दो दिवसीय एडवोकेसी स्किल्स डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड प्रोफेशनल डेवलपमेंट के सदस्य सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री जयदीप गुप्ता, सुश्री प्रिया हिंगोरानी,डॉ.अमन हिंगोरानी,श्री राजीव कुमार विरमानी,श्री संदीप नारायन,श्री विनय सभरवाल, श्री दिलीप मेहरा,श्री सर्वेश चौधरी, श्री जमशेद वे,सुश्री रीमा भंडारी,सुश्री मंजुलता गुप्ता द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित युवा अधिवक्ताओं को एडवोकेसी स्किल्स डेवलपमेंट के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ- साथ प्रतिभागी अधिवक्ताओं को दो रोल (ए- अभियोजन/याचिकाकर्ता तथा बी- बचाव/प्रतिवादी) प्रदान किए तथा प्रतिभागियों को 10-10 के समूहों में बांटकर न्यायालय कक्षों में जाकर कोर्स मटेरियल के रूप में प्रतिभागियों को प्रदान किए राज्य बनाम मोंटी खन्ना व राज मल्होत्रा बनाम शिवानी मल्होत्रा के दो प्रकरण तथा उन दोनों प्रकरणों के माध्यम से केस एनालिसिस का तरीका,गवाह को हैंडल करना, अभियोजन पक्ष व बचाव पक्ष के गवाहों का मुख्य परीक्षण, प्रति परीक्षण, मौखिक तर्क, ड्राफ्टिंग स्किल्स डेवलपमेंट के तरीके बताये और उनका अभ्यास भी कराया,और प्रतिभागियों से कार्यक्रम के संबंध में फीड बैक प्राप्त किये।कार्यक्रम के समापन सत्र में श्री न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल न्यायाधीश मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा व्यक्त किया गया कि एक अच्छे अधिवक्ता को हमेशा यह जानना आवश्यक है कि उसे क्या करना है, कितना करना है, क्यों करना है, कब करना है और कहां करना है, इसके अलावा अधिवक्ताओं को अपनी व्यवसायिक नैतिकता हमेशा बनाये रखनी चाहिए जिससे उसकी प्रतिष्ठा स्थापित हो।

नवरात्रि महामहोत्सव में दलेर मेहंदी, लखबीर सिंह लक्खा जैसे मशहूर गायकों की प्रस्तुति

इंदौर। इंदौर में इस साल होने जा रहे अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध गायक दलेर मेहंदी, लखबीर सिंह लक्खा जैसे कलाकार आ रहे हैं। यहां कवि सम्मेलन भी होगा, जिसका आनंद भक्तों को देवी भागवत कथा के बाद लेने मिलेगा। ये भव्य और अद्वितीय धार्मिक आयोजन 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक वीआईपी परस्पर नगर में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में होना है।

प्रतिदिन यज्ञ स्थल पर शाम 7 से रात 10 बजे तक देवी भागवत कथा भी होगी, जिसके श्रवण में भक्तों का मां के दिव्य अवतारों से साक्षात्कार होगा। 9.30 बजे से भक्तों के लिए कई प्रस्तुतियां भी होगी, जिसके लिए नामी गायक और कवि देशभर से इंदौर में आ रहे हैं। संगीतमय प्रस्तुति के लिए इन 11 दिन में सुप्रसिद्ध गायक दलेर मेहंदी, लखबीर सिंह लक्खा, उस्मान मीर और प्रसिद्ध ड्रम आर्टिस्ट शिवमणि शामिल है। कवि सम्मेलन के लिए पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा (हास्य सम्राट) नई दिल्ली, श्री शशिकांत यादव शशि (सबरस कवि), श्री अमन अक्षर (राम गीत फेम) मुंबई , श्री राम भदावर (वीर रस) भिंड, श्री मुत्रा बैट्री (हास्य) मंदसौर, श्री दिनेश देसी घी (हास्य के रजनीकांत) शाजापुर और अन्य कई कवि आ रहे हैं।

जय श्री महाकाल ...

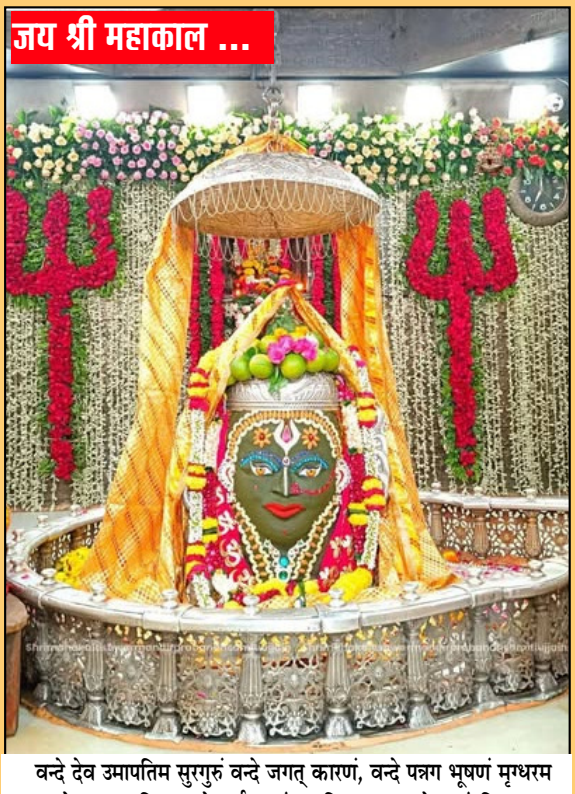

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर श्री सिंह ने संतुष्टिपूर्वक शिकायत निराकरण में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त होने पर सभी जिलाधिकारियों को शुभकामनाएं दी

उज्जैन । कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह प्रशासनिक संकुल भवन के सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट,अपर कलेक्टर शास्वत शर्मा,अपर कलेक्टर अत्येंद्र सिंह गुर्जर ,सभी एसडीएम और सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कलेक्टर कार्यालय में सभी फाइल ऑनलाइन भेजें । कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत चलाए जा रहे अभियानों और किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सिंह ने अभियान अंतर्गत पोर्टल पर गतिविधियों की जानकारी अपलोड

करने के निर्देश दिए। पोषण माह की जानकारी भी पोर्टल पर यथासमय अपलोड करने के निर्देश जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री ब्रजेश त्रिपाठी को दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर ईई लोकनिर्माण विभाग और सीएमएचओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला क्रिडा अधिकारी और महाप्रबंधक पीएमजीएसवाय को टीएल में अनुपस्थित रहने और पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने पर 01 दिवस का वेतन काटे जाने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत किए जा रहे स्वच्छता,नमो वन ,नमो पार्क निर्माण ,स्वास्थ्य शिविरों आदि कार्यों की जनपदवार,नगरीय निकाय वार,नगर निगम और जिला पंचायत के कार्यों की समीक्षा भी की। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सामाजिक न्याय विभाग को दिव्यांगजनों के लिए ब्लॉक स्तर पर शिविर लगाकर दिव्यांग हितग्राहियों को शासन की सभी योजनाओं के लाभ दिलवाने और जिला स्तर पर उपकरण वितरण शिविर के लिए दिव्यांग हितग्राहियों को चिन्हित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने आदिम जाति कल्याण विभाग की जिला अधिकारी को छात्रावासों में छात्र छात्राओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत जिले के सभी 74 हॉस्टल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करने व रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में एक बगिया मां के नाम अभियान अंतर्गत जिले द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि कुल लक्ष्य 600 के विरुद्ध जिले में अभी तक 1125 हितग्राहियों को चिन्हित किया गया है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार शिविर में किया 253 मरीजों का उपचार

उज्जैन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार पटेल के निर्देशानुसार एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विजेंद्र सिंह अजनार व मेडिकल ऑफिसर इंगोरिया डॉ शिप्र श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एम आर मंसूरी की उपस्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंगोरिया में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ रामप्रसाद पंड्या जिला पंचायत सदस्य, इंद्रपाल सिंह पंड्या मंडल अध्यक्ष इंगोरिया, विजय प्रजापति स्वास्थ्य शिविर प्रभारी व दुर्गेश कुमारिया जनपद प्रतिनिधि द्वारा किया गया। बीपीएम किरण मंडलोई व बीई दिनेश कुमार पंचोली ने बताया कि शिविर में 143 महिला और 110 पुरुष, कुल 253 मरीजो का उपचार किया गया। 30 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, 25 खांसी के मरीजों के खकार के नमूने लिए गए तथा 10 बच्चों का टीकाकरण किया गया। शिविर में बीसीएम रचना चौहान, हेल्थ सुपरवाइजर नारायण शर्मा, महेश धनेलिया, शिवानी भारती, मयंक चौरे, साकेतजी, पूजा दिया, विजय गोलघाटे आदि उपस्थित थे। संचालन जगदीश अजमेरी ने किया एवं आभार नारायण शर्मा ने माना।

उज्जैन के बगलामुखी मंदिर में नवरात्रि

उज्जैन। उज्जैन के भैरवगढ़ रोड स्थित मां बगलामुखी धाम मंदिर पर शारदीय नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन कुमकुम अर्चना की जाएगी। योगी पीर महंत श्री रामनाथ जी महाराज के सानिध्य में यहां 51 पंडितों के द्वारा प्रतिदिन देवी पाठ, हवन-पूजन आदि अनुष्ठान किए जाएंगे जिसकी शुरुआत नवरात्रि के पहले दिन सोमवार से हो गई। योगी पीर महंत श्री रामनाथ जी महाराज ने बताया कि मां बगलामुखी को अर्पित किया गया सिद्ध किया हुआ कुमकुम नवरात्रि की अष्टमी, नवमी को श्रद्धालुओं को मां के आशीर्वाद स्वरूप निशुल्क ही वितरित किया जाएगा।

आंचलिक पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष श्री टॉक का उज्जैन में भव्य स्वागत

उज्जैन। मध्य प्रदेश आंचलिक पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश टॉक सोमवार को प्रवास पर उज्जैन पधारे जहां पत्रकारों और अभिभाषकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया प्रदेश प्रवक्ता एवं उज्जैन संभाग अध्यक्ष रामचंद्र गिरी ने बताया कि बहादुरगंज स्थित दैनिक स्वतंत्र ऐलान कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष रमेश टॉक जी का वरिष्ठ पत्रकार रमेशचंद्र दास, डॉक्टर गणपत सिंह चौहान ,खालीक मंसूरी ,घनश्याम शर्मा पप्पू भैया ,उदय सिंह चंदेल, जयसिंह ठाकुर, सुरेंद्र मोहन अग्रवाल, नरेंद्र टाक ,रामचंद्र गिरी, युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ ,पवन गढ़वाल, दारा खान, नईखेड़ी के पत्रकार श्री परिहार सहित अभिभाषक श्री प्रमोद चौबे ,श्री नाथू लाल नागर जी, श्री अनिल माथुर, श्री कलीम भाई, श्री यश सूर्यवंशी, श्रीमती सरस्वती जैन आदि ने किया। अपने अल्पकालिक प्रवास पर पधारे प्रांत अध्यक्ष श्री टाक ने कहा कि हम अपनी कलम के जरिए समाज और शासन प्रशासन को दिशा प्रदान करते हैं और वर्तमान स्थितियों में हमारा दायित्व और अधिक हो गया है उन्होंने कहा कि संगठन सबसे सक्रिय है तथा अंचलों में और प्रदेश के विभिन्न जिला संभाग आदि में पत्रकारों के हितों की लड़ाई भी लड़ता है और प्रदेश का सबसे सक्रिय संगठन है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, मध्य प्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ ने किया संभागायुक्त का सम्मान

उज्जैन। मोकम सिंह पटेल तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष एवं हेमराज घावरी मध्य प्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में नवागत कमिश्नर आशीष सिंह द्वारा उज्जैन संभाग उज्जैन आयुक्त का पदभार ग्रहण करने पर कर्मचारी प्रतिनिधि मण्डल द्वारा मुलाकात की गई।

कर्मचारियों द्वारा पुष्प गुच्छ गुलदस्ता देकर श्री सिंह का स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयुक्त द्वारा आश्वासन दिया गया कि कर्मचारियो की कोई समस्या हो तो बताना। इस अवसर पर मोतीलाल निर्मल, नरेंद्र नागर, धीरज श्रीवास्तव, निखिलेश गौड़, विवेक बरवा, रफीक अहमद, राजेश सूर्यवंशी आदि।

त्रिवेणी हिल्स सामाजिक विकास समिति ने सीनियर सिटीजन ज़ोन शुभारंभ कर पौधारोपण किया

उज्जैन। इंदौर रोड स्थित त्रिवेणी हिल्स कॉलोनी में त्रिवेणी हिल्स सामाजिक विकास समिति द्वारा लोकार्पण एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति ने सीनियर सिटीजन ज़ोन बनाकर बुजुर्गजनों के लिए एक विशेष स्थान तैयार किया है, जहाँ वे अपने विचार और अनुभव साझा कर सकते हैं।

समिति के अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सीनियर सिटीजन ज़ोन का पार्षद गोपाल अग्रवाल एवं मंडल अध्यक्ष सतीश सिनंदल की उपस्थिति में पूजन कर जोन का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान पार्षद ने संबोधित करते हुए कहां की कॉलोनी के लोगों ने बहुत अच्छी पहल की है सीनियर सिटीजन ज़ोन बनाकर अपने पूर्वजों की स्मृति में कुर्सियाँ लगाई है जो बहुत ही सराहनी काम है। एक ऐसा स्थान बनाया है जहाँ हमारे बुजुर्गजन साथ बैठ कर विचार और अनुभव साझा कर सकते हैं। समिति ने कार्यक्रम मैं आए अतिथियों का अभिनंदन किया और कार्यक्रम के अंत में पौधारोपण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अजय शर्मा एवं पारस नागर ने किया और आभार कोषाध्यक्ष मनीष वर्मा ने माना। इस मौके पर आरपी सिंह बेस, राजेंद्र सिंह राठौड़, राधेश्याम पोरवाल, ओमप्रकाश, जगदीश शर्मा, जयप्रकाश द्विवेदी, जितेंद्र राठौर, श्रीवास्तव केसरीमल, जैन बीडी, बैरागी, रमेश पचौर, देवेंद्र व्यास, भूपेंद्र सोलंकी, बबीता गहलोत, प्रभा व्यास, विभा यागिक, प्रीति वर्मा, विजय सिंह सिकरवार, अजीत उपाध्याय, जितेंद्र गुहा, नवीन दीक्षित, मनीष पंडित, मनीष परमार, विवेक दोहरे आदि लोग उपस्थित थे।

महाकाल के उमा-सांझी महोत्सव में वीर हनुमान भक्त मंडल ने किया जागरण

उज्जैन। महाकाल मंदिर में चल रहे उमा-सांझी महोत्सव के समापन पर उज्जैन की प्रसिद्ध व सबसे प्राचीन मंडली श्री वीर हनुमान भक्त मंडल कार्तिक चौक के पंडित जस्सू गुरु महाराज ने उमा माता का जागरण किया। मंडली ने भगवान महाकाल की शयन आरती के बाद रात 11 बजे बाद पूजन-अर्चन कर जागरण की शुरुआत की।

जागरण अल सुबह भस्म आरती प्रारंभ होने से पहले रात 3 बजे बाद तक चला। समापन में भगवान महाकाल, उमा माता व हनुमान जी महाराज की आरती की गई। इस दौरान मंडली ने संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी एवं सुंदरकांड पाठ किया। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल के दरबार में उक्त मंडली के द्वारा कई वर्षों से निरंतर परंपरा का निर्वहन करते हुए उमा माता का जागरण किया जा रहा है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com